

२५^{०६}
२५

वकील कादी उपोपगत नहीं। कादी
स्वयं भी उपोपगत नहीं। इनकी अनुपस्थिति
वाकत कोड़े कारण भी पेशा नहीं हुआ।
कार-बार कावाज लगावार्डे गइ। फलतः यह
वाकत फलतः पेशी फलतः हाजरी के लिये
क्रिया जाता है।

पत्रावली निम्न में शुमार की जाकर
गणवर से कम हो तथा तरीक तकमिल
होकर द्वाखिल दफतर हो।